

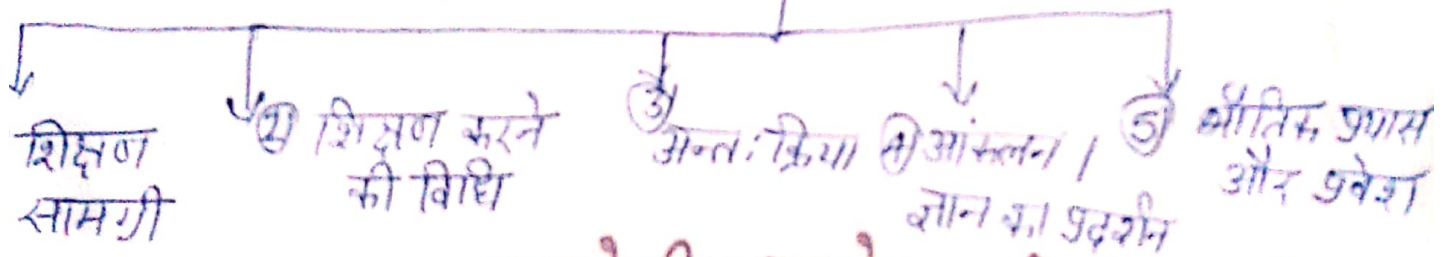
समावेशी अनुदेशन प्रारूप

समावेशी प्रारूप एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसका एक तातावरण में शैक्षिक, लिंग या विकलांगता का भेद किए बिना प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्रयोग किया जाता है। इसके अन्तर्गत सभी छात्रों को सम्मिलित किया जाता है जैसे — विद्यार्थी, विधिवाना को दूर करने एवं सम्बन्धित छात्रों को एक मंच पर एक साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए किया गया प्रयास।

समावेशी अनुदेशन प्रारूप का महत्व

- ① छात्रों की आवश्यकता को स्पष्ट करना।
- ② शिक्षण सहविधियों, प्रविधियों तथा उपकरणों का प्रयोग।
- ③ शिक्षा की युद्धन धारा से बालकों को जोड़ने में सहायक।
- ④ विभिन्न योग्यताओं एवं क्षमताओं का करने में सहायक।
- ⑤ सह आधिगम के लिए प्रेरित करना।

समावेशी अनुदेशन प्रारूप के प्रयोग हेतु निर्देश



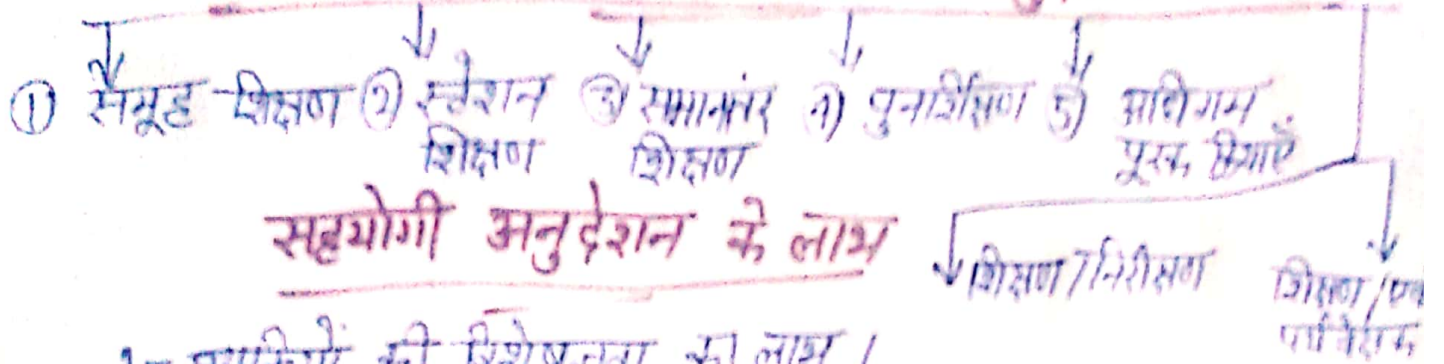
समावेशी (समावेशन) के लिए सहयोगी

अनुदेशन → "एक समान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कम से कम दो वलों के सहयोग से, स्वेच्छा से निर्णय लेने की शैली ही सहयोगी अनुदेशन है।"

सहयोगी अनुदेशन की विशेषताएँ

- ① प्रत्येक सहयोगी का बराबर-योगदान ।
- ② निर्णय लेने की शक्ति बराबर ।
- ③ समान (एक ही) उद्देश्य ।
- ④ आवश्यकतानुसार निर्णय लेने में सहमति ।
- ⑤ समस्त सामग्री एवं संसाधनों का साझा प्रयास ।

शैक्षणिक परिस्थिति में सहयोगी अनुदेशन की शैली



सहयोगी अनुदेशन के लाभ

- 1- व्यक्तियों की विशेषता का लाभ ।
- 2- समस्या का हल ।
- 3- छात्रों को प्रोत्साहित करना ।
- 4- छात्रों को सुविधा प्राप्त करने हेतु तैयार ।
- 5- छात्रों का व्यक्तिगत मूल्यांकन ।

सहयोगी शिक्षण अनुदेशन का क्रियान्वयन

- ① सहयोगी संस्कृति ।
- ② साझा नेतृत्व ।
- ③ सुसंगत दृष्टि ।
- ④ व्यापक योजना ।
- ⑤ पर्याप्त संसाधन ।
- ⑥ निरन्तर परिपालन ।
- ⑦ सतत मूल्यांकन एवं सुधार ।

B.R.C. Deoband
Amis Pro - Sabna Tyagi